THE MINISTER OF ENERGY AND IRRIGATION AND COAL (SHRI A.B.A. GHANI KHAN CHAUDHURI): (a) The quantity of coal supplied to Maharashtra State during August '79 to January '80 is indicated below:

'000 (tonns)

Month	
August '79	493
September '79	552
October '79	562
November '79	495
December '79	620
January '80	629

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

ऊर्जा उत्पादन

16. **श्री एन० के० शेजवलकर :** क्या ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन महीनों में ऊर्जा उत्पादन की मात्रा क्या थी;

(ख) यदि उत्पादन में कमी हुई है तो तत्संबंधी कारण क्या हैं; और

(ग) इसके उत्पादन में वृद्धि के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) :

(क) दिसम्बर, 1979, जनवरी, 1980 और फरवरी, 1980 के महीनों के दौरान देश में हुआ कुल ऊर्जा उत्पादन नीचे दिया गया है : —

	सकल उत्पादन (मिलियन युनिट)	दैनिक औसत उत्पादन (मिलियन यूनिट)
दिसम्बर, 1979	8535	275.3
जनवरी, 1980	8913	287.5
फरवरी, 1980	8233* (अनन्तिम)	283.9

(ख) फरवरी, 1980 के दौरान औसत दैनिक उत्पादन में सीमान्त कमी के मुख्यत: निम्न कारण हैं :—

(1) 27-1-80 से कोटा के परमाणु विद्युत सुयंत्र यूनिट की बंदी ;

(2) फरवरी, 1980 के दौरान ताप उत्पादन युनिटों की अधिक मात्रा में जबरन बंदी ;

(3) जल विद्युत केन्द्रों से उपलब्धता मे कमी ।

(ग) देश में विद्युत की उपलब्धता को सुधारने के लिए कई काम उठाए जा रहे हैं । इनमें नई उत्पादन क्षमता में अभिवृद्धि करना, वर्तमान प्रतिष्ठापित क्षमता से अधिकतम उत्पादन करना, अधिक विद्युत वाले राज्यों से कमी वाले राज्यो को विद्युत स्थानान्तरण करना और ताप विद्युत केन्द्रो को पर्याप्त मात्रा में कोयले की सप्लाई की व्यवस्था करना, आदि शामिल हैं ।

Coal Situation

17. SHRI M. RAM GOPAL REDDY: Will the Minister of ENERGY AND IRRIGATION AND COAL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that coal situation in the country is in doldrums; and

(b) if so, steps taken to improve the situation?

THE MINISTER OF ENERGY AND IRRIGATION AND COAL (SHRI A.B.A. GHANI KHAN CHAUDHURI): (a) The estimated coal production in the current year is about 104.3 million tonnes. The target of production for the year could not be achieved due to inadequate power supply to collieries, shortage of diesel and explosives, the disturbed law and order situation in the Bengal-Bihar coal-fields and other constraints. However, pithead stocks in the collieries have increased from a level of 9.85 million tonnes at the end of February, 1979 to 12.8 million tonnes at the end of February, 1980. Despatches to consumers have been adversely affected due to transport bottlenecks.